आरती श्री वैष्णो जी की

जै वैष्णवी माता, मैया जै वैष्णवी माता ।
हाथ जोड़ तेरे आगे, आरती मैं गाता ।।
शीश पे छत्र बिराजे, मूरतिया प्यारी ।
गंगा बहती चरनन ज्योति जगे न्यारी ।।
ब्रह्मा वेद पढ़े नित द्वारे, शंकर ध्यान धरे ।
सेवक चंवर डुलावत, नारद नृत्य करे ।।
सुन्दर गुफा तुम्हारी, मनको अति भावे ।
बार-बार देखन को, ऐ मां मन चावे ।।
भवन पे झण्डे झूले, घन्टा ध्वनि बाजे ।
ऊंचा पर्वत तेरा, माता प्रिय लागे ।।
पान सुपारी ध्वजा नारियल, भेंट पुष्प मेवा ।
दास खड़े चरणों में, दर्शन दो देवा ।।
जो जन निश्चय करके, द्वार तेरे आवे ।
उसकी इच्छा पूरण माता हो जावे ।।
इतनी स्तुति निशदिन, जो नर भी गावे ।
कहते सेवक ध्यानूं सुख सम्पत्ति पावे ।।

विवरण

जय हे वैष्णवी माता ! हम आपके आगे दोनों हाथ जोड़कर खड़े हैं एवं आपकी आरती गा रहें हैं । आपके सिर पर सोने का जो छत्र विराजमान रहता है, इससे आपकी सूरत बड़ी सौम्य एवं प्यारी लगने लगती है । आपके चरणों से ही गंगा निकली हुई हैं तथा आपकी ज्योति से सारा जग प्रकाशमय हुआ रहता है ।

आपके द्वार नित्य ब्रह्मा जी वेदों का उच्चारण करते रहते हैं तथा शंकर जी हमेशा आपके ध्यान में लीन रहते हैं । आपके सेवक सदा आपको चँवर डुलाते रहते हैं तथा नारद अपनी वीणा की तान छेड़कर

नृत्य करने में मग्न रहते हैं ।

आपकी सुन्दर गुफा मन को बड़ी ही प्यारी लगती है, ऐसा मन करता है कि बार-बार उसे देखते रहें । आपके मन्दिर के ऊपर लाल झंडा झूलता रहता है तथा घण्टे की ध्वनि से मन आपके प्रति प्रेम के कारण रोमांचित हो उठता है । ऊँचे पर्वत पर बना आपका ये मन्दिर मन को बड़ा ही प्रिय लगता है ।

पान, सुपारी, ध्वजा एवं नारियल लेकर, आपको भेंट चढ़ाने के लिए आपके सेवक, आपके चरणों में आकर खड़े हैं, आप इन्हे अपने दर्शन देकर इनके जीवन को सफल बना दीजिए । आपके द्वार पर जो कोई श्रद्धा पूर्वक आता है, उसकी मनोकामना शीघ्र ही पूरी हो जाती है ।

वैष्णो माता जी के सेवक कहते है कि जो मनुष्य इनकी प्रतिदिन थोड़ी सी भी स्तुति करता है वह सुख एवं सम्पत्ति से परिपूर्ण हो जाता है । आप सभी मंगल कार्य को पूर्ण करने वाली हैं तथा भगवान शिव की सभी अर्थों में सहायक हैं ।

हे भगवान शिव की पत्नी माता गौरी ! हम आपकी शरण में आकर आपको नमस्कार करते हैं ।आप की शरण में जो भी आता है, उसके असीम दुःख का परित्याग करने वाली आप नारायणी हैं । हे माता पार्वती ! हम आपकी शरणागत हैं एवं आपको सिर झुकाकर नमस्कार करते हैं ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.